

संधि के नाम पहचानिए

एकैक

भवन

परोपकार

अत्यधिक

पुस्तकालय

गिरीश

गणेश

स्वागत

मायक

भानूदय

अयादि

गुण

वृद्धि

दीर्घ

यण

गुण

यण

अयादि

दीर्घ

दीर्घ

पद्मजा मलखेडकर
स प्री ना कडणि